www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 271 || लखनऊ
रविवार
04 जनवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:56
सूर्यास्तः 05:26
अधिकतमः 16°00
न्यूनतमः 08°00

पेज 03

विशेष समाचार रेबीज से होने वाली मौतों को रोकने ... >> पेज 02 | केजीएमयू डॉक्टर के घर की होगी ... >> पेज 04 | तारा का टॉक्सिक लुक आया सामने ...

मोदी बोले- उनके लिए ये एंटीक पीस थे हमारे लिए सबकुछ, दिल्ली में एग्जीबिशन का उद्घाटन किया

'125 साल बाद बुद्ध के अवशेष भारत लाए गए'

- पीएम मोदी ने एग्जीबिशन का इनॉगरेशन करते हुए भगवान बुद्ध को फूल अर्पित किए।
- पीएम ने कार्यक्रम के दौरान देशभर से आए बौद्ध गुरुओं को सम्मानित किया।
- अवशेषों को दिल्ली के राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में रखा गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भारत वापसी को देश के लिए गौरवपूर्ण और भावनात्मक क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि इन अवशेषों को अपने बीच पाकर भारत स्वयं को धन्य महसूस कर रहा है। लगभग 125 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भारत की यह अमूल्य सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत स्वदेश लौटी है, जो देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ती है प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध के ये अवशेष केवल ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि भारत की आस्था, संस्कृति और पहचान से जुड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अवशेषों का भारत से बाहर जाना और फिर वापस आना, देश को एक बड़ा सबक देता है कि गुलामी के दौर में हमारी विरासत को कैसे छीना गया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी सभ्यता और इतिहास से जोड़ने के लिए ऐसे प्रयास बेहद आवश्यक हैं, ताकि भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूती से आगे बढ़ा सके। पीएम मोदी ने कहा कि भगवान बुद्ध का संदेश शांति, करुणा और मानवता का मार्ग दिखाता है। इन अवशेषों की वापसी न केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर की पुनः प्राप्ति है,बल्कि यह विश्व को यह संदेश भी देती है।

1898 में पिपरहवा में हुई थी खोज

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1898 में उत्तर प्रदेश के पिपरहवा (कपिलवस्तु क्षेत्र) में खुदाई के दौरान भगवान बुद्ध से जुड़े ये अवशेष प्राप्त हुए थे। यह खुदाई ब्रिटिश काल में कराई गई थी। खुदाई कराने वाले व्यक्ति डब्ल्यू. सी. पेपे, जो उस समय ब्रिटिश शासन में इंजीनियर थे, ने इन अवशेषों को भारत से बाहर भिजवा दिया था। तभी से ये पवित्र धरोहर भारत से दूर थी। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर गोदरेज समूह का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गोदरेज समूह के सहयोग से यह संभव हो सका कि भगवान बुद्ध के ये पवित्र अवशेष पुनः बुद्ध की भूमि भारत में वापस आ सकें। बुद्ध के पवित्र अवशेषों की स्वदेश वापसी को इतिहास, आस्था और राष्ट्रीय स्वाभिमान के संगम के रूप में देखा जा रहा है। यह घटना न केवल अतीत की एक ऐतिहासिक भूल को सुधारने का प्रयास है, बल्कि यह भविष्य के लिए भी यह संदेश देती है कि भारत अब अपनी सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण में कोई समझौता नहीं करेगा।

> "पिपरहवा अवशेष भगवान बुद्ध से जुड़ी हुई पवित्र और पुरातात्विक चीजें हैं। ये अवशेष उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में स्थित पिपरहवा नामक स्थान पर खुदाई के दौरान मिले थे। मान्यता है कि इनमें भगवान बुद्ध की अस्थियां (धातु अवशेष) और उनसे जुड़ी प्राचीन वस्तुएं शामिल हैं, जिन्हें उनके महापरिनिर्वाण के बाद अलग-अलग स्थानों पर रखा गया था।

मोदी की स्पीच, 3 बड़ी बातें...

- भगवान बुद्ध का ज्ञान पूरी मानवता का है। ये भाव हमने बीते कुछ महीनों में महसूस किया। ये अवशेष जिस देश में गए वहां आस्था का सैलाब उमड़ा। थाईलैंड में रखे गए अवशेषों का 40 लाख से ज्यादा लोगों ने दर्शन किया। मंगोलिया में हजारों लोग घंटो प्रतीक्षा करते रहे। कई लोग भारतीय प्रतिनिधियों को छूना चाह रहे थे क्योंकि वे बुद्ध की भूमि से आए थे। रूस में भी लाखों लोगों ने इसके दर्शन किए। भगवान बुद्ध सबके हैं, बुद्ध सबको जोड़ते हैं।
- मैं जहां गया मेरा प्रयास रहा कि बुद्ध की एक विरासत का प्रतीक लेकर लौटूं। भगवान बुद्ध की ये साझा विरासत प्रमाण है कि भारत डिप्लोमेसी, राजनीति से ही नहीं जुड़ता बल्कि आस्था और अध्यात्म से भी जुड़ता है। भारत उनकी परंपरा का जीवंत वाहक है।
- मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूं, उनका मेरे जीवन में गहरा स्थान रहा है। जब मैं सरकार के दायित्वों से दूर था तब भी बौद्ध तीर्थस्थलों का दौरा करता था। नेपाल के लुंबिनी में माया देवी मंदिर में जाना अद्भुत अनुभव था। जापान और चीन में भी मैंने भगवान बुद्ध को महसूस किया। मंगोलिया में लोगों की आंखों में बुद्ध से जुड़ाव देखा।

गुलामी के दौर में छीनी गई थी धरोहर

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि ब्रिटिश शासन के समय इन पवित्र अवशेषों को भारत से बाहर ले जाया गया था। जिन लोगों ने इन्हें अपने कब्जे में लिया, जबकि भारत के लिए ये उसकी आत्मा से जुड़ी धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी आया जब इन अवशेषों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नीलाम करने की कोशिश की गई, लेकिन भारत ने स्पष्ट निर्णय लिया कि भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेषों की नीलामी नहीं होने दी जाएगी। पीएम मोदी ने इसे निजी क्षेत्र और राष्ट्रीय दायित्व के बीच एक अनुकरणीय उदाहरण बताया।

दिल्ली में आयोजित विशेष प्रदर्शनी

अब भारत लौटे इन अवशेषों को नई दिल्ली के राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में आयोजित भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की विशेष प्रदर्शनी में रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन किया। प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन को भगवान बुद्ध के जीवन, संदेश और विरासत से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

सीएम की त्योहारों व पर्वों की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक

माघ मेला में फील्ड में उतरें अधिकारी, सभी श्रद्धालुओं का रखें ख्याल

निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में शुरु हुए माघ मेला में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर बेहद गंभीर हैं। शुक्रवार देर रात सरकारी आवास पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री ने आगामी पर्व-त्योहारों एवं माघ मेला की तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। कि माघ मेले में आने में श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। अधिकारी फील्ड में उतरें और सभी

श्रद्धालुओं का ख्याल रखें। उन्होंने मेला व स्नान स्थल पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा व अन्य प्रबंधों का इंतजाम करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने

> "मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी रात में भी मेला स्थल का निरीक्षण करें। अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचरियों को समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दें। उन्होंने नदी में तेज बहाव के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग लगाने के निर्देश भी दिए हैं।

पीडब्ल्यूडी को जिला मुख्यालयों, सर्किट हाउस, तहसील व ब्लाक मुख्यालयों पर स्थायी हेलीपैड बनाने के निर्देश दिए।

>> (शेष पेज 04 पर)

ज्वेलरी शॉप में पिस्तौल-कुल्हाड़ी लेकर घुसे बदमाश

हैदराबाद। हैदराबाद के रामपल्ली एक्स रोड्स इलाके में एक ज्वेलरी शॉप में लूट की बड़ी कोशिश नाकाम हो गई। शुक्रवार को दो अज्ञात बदमाश अपने चेहरे ढककर दुकान में घुसे थे लेकिन दुकानदार ने बहादुरी से दोनों लुटेरों का सामना किया और उन्हें खाली हाथ भगा दिया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। इसका वीडियो शनिवार को वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर लोग दुकानदार की तारीफ कर रहे हैं। वीडियो में दिखता है कि दो लोग ज्वेलरी लूटने दुकान में घुसते हैं। एक बदमाश के हाथ में पिस्तौल और दूसरे के पास छोटी कुल्हाड़ी थी। बदमाशों ने दुकानदार को हथियार दिखाकर डराने की कोशिश की। लेकिन दुकानदार की बहादुरी देखकर बदमाश घबरा गए और बिना कुछ लूटे मौके से फरार हो गए।

अजित पवार अपने गिरेबान में झांकें : रवींद्र चव्हाण

डिप्टी सीएम का जवाब- जो सिंचाई घोटाले के आरोप लगाते थे

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के बीच महायुति गठबंधन (NDA) में आपसी शुरू हो गए हैं। महाराष्ट्र सरकार में डिप्टी सीएम अजित पवार ने शुक्रवार को पिंपरी-चिंचवड़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा-जिन लोगों ने कभी मुझ पर 70 हजार करोड़ के सिंचाई घोटाले जैसे आरोप लगाए थे, वही लोग आज मेरे साथ सत्ता में हैं। सिर्फ आरोप लगने से कोई व्यक्ति दोषी नहीं हो जाता है, जब तक अदालत में अपराध साबित न हो जाए। यह सियासी टकराव ऐसे समय पर सामने आया है, जब 15 जनवरी को पुणे नगर निगम चुनाव हैं। खास बात यह है कि राज्य सरकार में सहयोगी होने के बावजूद

बीजेपी और एनसीपी नगर निकाय चुनाव अलग-अलग लड़ रही हैं। वहीं, अजित पवार की पार्टी शरद पवार गुट के साथ मैदान में है बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने कहा कि अजित पवार क्या मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी पर शक कर रहे हैं? आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से किसी का भला नहीं होगा। अगर बीजेपी भी इसी तरह जवाब देने लगे।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

तिरुपति के गोविंदराजस्वामी मंदिर पर नशे में चढ़ा व्यक्ति

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में शुक्रवार देर रात गोविंदराजस्वामी मंदिर के ऊपर पर एक व्यक्ति चढ़ गया और हंगामा किया। व्यक्ति ने कहा कि उसे एक क्वार्टर शराब की बोतल चाहिए तभी वह नीचे उतरेगा। व्यक्ति की पहचान तेलंगाना के निजामाबाद जिला निवासी कुट्टाडी तिरुपति (45) के रूप में हुई है। वो सिक्योरिटी गार्ड्स को चकमा देकर मंदिर में घुस गया था।

भाजपा को आरएसएस कंट्रोल नहीं करता : भागवत

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा या विश्व हिंदू परिषद के नजरिए से आरएसएस को समझना गलत है। सभी स्वतंत्र रूप से काम करते हैं और संघ किसी (भाजपा) को कंट्रोल नहीं करता। संघ का उद्देश्य सत्ता, टिकट या चुनाव नहीं, बल्कि समाज की गुणवत्ता और चरित्र निर्माण है। भोपाल में RSS के 100 साल पूरे होने पर आयोजित 'प्रमुख जन गोष्ठी' में बोलते हुए भागवत ने कहा कि हम वर्दी पहनते हैं, मार्च निकालते हैं और लाठी का अभ्यास करते हैं। ऐसे में अगर कोई सोचता है कि यह एक पैरा मिलिट्री फोर्स है तो यह एक गलती होगी। भागवत ने आगे कहा कि हमारे मत-पंथ, संप्रदाय, भाषा और जाति अलग हो सकती है।

छात्रा मौत मामले में आरोपी प्रोफेसर सस्पेंड

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला कॉलेज की पूर्व छात्रा पल्लवी की रैगिंग के बाद मौत मामले में आरोपी प्रोफेसर अशोक कुमार को सरकार ने सस्पेंड कर दिया है। सस्पेंशन अवधि के दौरान अशोक का हेडक्वार्टर शिक्षा निदेशालय, शिमला में तय किया गया है। वहीं इससे पहले जिला अदालत से 12 जनवरी तक अशोक कुमार को अंतरिम जमानत मिल गई।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारतीय वनडे टीम का ऐलान

बुमराह-हार्दिक को रेस्ट, पहला मैच 11 जनवरी को

तमसा संकेत, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। शनिवार को जारी टीम में कप्तान शुभमन गिल, उप कप्तान श्रेयस अय्यर और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की वापसी हुई है। अय्यर BCCI की मेडिकल टीम से फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही खेल सकेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपनी जगह बरकरार रखी है। जबकि ईशान किशन को मौका नहीं मिला है। पेसर जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है।

> "टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की वापसी हुई है। उनके साथ अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा टीम के 3 और फ्रंट लाइन पेसर होंगे। वहीं, नीतीश कुमार रेड्डी, हार्दिक पंड्या की जगह पेस बॉलिंग ऑलराउंडर्स होंगे। पंड्या को भी बुमराह के साथ आराम दिया गया है। साथ ही मोहम्मद शमी को फिर से स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है।"

वनडे सीरीज का पहला मैच 11 जनवरी को बड़ौदा में खेला जाएगा। यशस्वी जायसवाल को बैकअप ओपनर बनाया गया है। जायसवाल ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग की थी। उन्होंने तीसरे वनडे में नाबाद 116 रन की पारी खेली थी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 वनडे की सीरीज 11 से 18 जनवरी तक खेली जाएगी। वडोदरा, राजकोट और इंदौर में तीनों मुकाबले खेले जाएंगे।

बीजेपी और आरएसएस महिला-दलित विरोधी, कांग्रेस 10 जनवरी से देशभर में आंदोलन करेगी

मनरेगा हटाकर सरकार ने गांधी को दूसरी बार मारा : सिद्धारमैया

आलोचना

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के CM सिद्धरमैया ने शनिवार को मनरेगा स्कीम की जगह लाए गए विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट (VB-G RAM G) की आलोचना की। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी को पहली बार गोडसे ने मारा था। लेकिन मनरेगा को खत्म करके केंद्र सरकार ने दूसरी बार महात्मा गांधी को मारा है। बेंगलुरु के एक कार्यक्रम में सिद्धरमैया ने कहा कि मनरेगा का मकसद गरीब और छोटे

किसानों को फायदा पहुंचाना था, लेकिन मोदी सरकार ने राज्यों से सलाह किए बिना यह फैसला लिया, जो तानाशाही रवैया दिखाता है। सिद्धारमैया ने BJP और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) पर महिलाओं, दलितों का विरोध करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा- मनरेगा को

> "कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि मनरेगा पर हमला करोड़ों मजदूरों और उनके संवैधानिक काम के अधिकार पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि वीबी जीआम जी एक्ट मनरेगा को खत्म करने और काम के अधिकार को कमजोर करने के लिए लाया गया है, जिसका कांग्रेस शांतिपूर्ण लेकिन मजबूती से विरोध करेगी।

खत्म करके वे कॉर्पोरेट हितों की मदद कर रहे हैं और ग्रामीण आजीविका को नष्ट कर रहे हैं। VB Ram G बिल खत्म कर मनरेगा स्कीम को फिर से शुरू करने की जरूरत है।

>> (शेष पेज 04 पर)

सिद्धरमैया की स्पीच की 3 बड़ी बातें...

- ये कानून संसद में जल्दबाजी में पास कराया गया। 17 दिसंबर को पेश किया गया और अगले ही दिन बिना किसी बहस या फेडरल सलाह के पास कर दिया गया। यह कदम ग्राम सभाओं और ग्राम पंचायतों से उनके वैधानिक अधिकार छीनता है
- पहले मजदूरी का 100% केंद्र सरकार देती थी। अब केंद्र मजदूरी का 60% देगा और राज्य सरकारों को बाकी 40% देना होगा। आर्टिकल 280(3) के मुताबिक यह संविधान के खिलाफ है। ग्राम सभाओं और ग्राम पंचायतों के जो अधिकार थे, उन्हें केंद्र ने छीन लिया है।
- मनरेगा ने आम लोगों को सम्मान के साथ जीने का मौका दिया और कृषि कार्य को रोजगार गारंटी कार्यक्रमों के साथ जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया।

संबोधन : भाजपा सांसद सांप की तरह, कितना भी दूध पिला लें, एक दिन डसेगा ही

मुख्य चुनाव आयुक्त जादूगर, वोटर गायब कर रहे : अभिषेक बनर्जी

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के राष्ट्रीय महासचिव और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को तंज कसते हुए 'वैनिश कुमार' कहा और बीजेपी सांसदों की तुलना 'सांप' से की। अभिषेक ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा,आप ज्ञानेश कुमार को जानते हैं? वे जादूगर हैं। जिंदा लोगों को वोटर लिस्ट से गायब कर देते हैं और मरे हुए लोगों को जिंदा दिखा देते हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

> "अभिषेक बनर्जी ने कहा- जब हमने बात रखनी शुरू की तो मुख्य चुनाव आयुक्त अपना आपा खो बैठे। वह मेरी बात पर गुस्सा होने लगे। मैंने उनसे कहा कि आप नॉमिनेटेड हैं और मैं जनता द्वारा चुना हुआ हूं।

31 दिसंबर- अभिषेक बनर्जी बोले-मुख्य चुनाव आयुक्त ने आपा खोया

इससे पहले 31 दिसंबर को तृणमूल कांग्रेस (TMC) का प्रतिनिधिमंडल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के सामने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर आपत्तियां दर्ज कराने गया था। इस दौरान अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त का रवैया अग्रेसिव हो गया था। लिस्ट और SIR को लेकर उनकी पार्टी की गंभीर आशंकाओं को दूर नहीं किया गया।

अभिषेक की 3 बड़ी बातें...

- बीजेपी पश्चिम बंगाल की जनकल्याण-कारी योजनाओं, खासकर महिलाओं के लिए चलाई जा रही 'लक्ष्मी भंडार' योजना को कमजोर करना चाहती है। अगर भाजपा को अब जवाब नहीं दिया गया, तो भविष्य में लोगों के वोट देने के अधिकार पर भी हमला हो सकता है।
- बीजेपी शासित मध्य प्रदेश में जहरीला पानी पीने से लोगों की मौतें हुई हैं।जो सरकार अपने लोगों को पीने का साफ पानी तक नहीं दे पा रही है, क्या वह आपको सिर पर छत देने का वादा पूरा कर पाएगी? जब बुनियादी जरूरतें ही पूरी नहीं हो रहीं, तो बड़े-बड़े दावे किस आधार पर किए जा रहे हैं?
- उत्तर बंगाल में अलीपुरद्वार को बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है, लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव में यही इलाका तृणमूल की वापसी की शुरुआत बनेगा। अपने कार्यकर्ताओं से कहता हूं कि हमें यहां हर बूथ जीतना है। एक भी बूथ नहीं छोड़ना है। अगर हम हर बूथ तक मजबूती से पहुंचे, तो जीत हमारी होगी।

हिजाब विवाद पर एआईएमआईएम के पूर्व सांसद की धमकी

मुस्लिम महिलाओं को गलत नीयत से छुआ तो हाथ काट दूंगा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। हिजाब विवाद को लेकर AIMIM नेता और पूर्व सांसद इम्तियाज जलील ने शनिवार को कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति मुस्लिम महिलाओं को गलत नीयत से छूने की कोशिश करेगा, तो वह उसका हाथ काट देंगे। इम्तियाज का यह बयान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक महिला के चेहरे से हिजाब हटाने की घटना और इस पर उत्तर प्रदेश के मंत्री संजय निषाद की टिप्पणी के बाद सामने आया है। संजय निषाद ने कहा था कि नीतीश कुमार ने सिर्फ नकाब ही तो छुआ अगर कहीं और छू देते तो क्या होता? बाद में मंत्री ने सफाई दी थी कि उनके बयान को तोड़-

मरोड़ कर पेश किया गया है। इम्तियाज ने उनके बयान का जिक्र भी किया। वहीं, इम्तियाज जलील ने कहा कि पक्ष और विपक्ष में शामिल कई दल खुद को धर्मनिरपेक्ष कहते हैं। ये पार्टियां गुंडों और आपराधिक तत्वों का समर्थन तो करती हैं, लेकिन मुसलमानों के हक में खड़े होने से कतराती हैं।

21 महीने तक घड़ी न पहनें

इम्तियाज जलील महाराष्ट्र के जालना में 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनाव में AIMIM के 17 उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री और शिवसेना नेता संजय शिरसाट के बयान पर भी तंज कसा। शिरसाट ने मकर संक्रांति का हवाला देते हुए AIMIM के 'पतंग' चुनाव चिन्ह पर रोक लगाने की मांग की थी। उनका यह बयान महायुति की सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के 'घड़ी' चुनाव चिन्ह पर कटाक्ष माना जा रहा है। क्योंकि एनसीपी अलग चुनाव लड़ रही है।

सम्पादकीय

कानूनी अधिकार बने स्वच्छ पानी

भारत ने अपने पर्यावरणीय संकटों को मापना सीख लिया है। वायु प्रदूषण को एयर क्वालिटी इंडेक्स के जरिये रोजाना आंका जाता है। हीटवेव और बाढ़ सार्वजनिक विमर्श पर हावी रहते हैं, लेकिन जब पीने का पानी जानलेवा बन जाता है, तब प्रतिक्रिया खतरनाक रूप से देर से, सीमित और अल्पकालिक होती है। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल से हुई हालिया मौतें कोई अपवाद नहीं हैं, बल्कि एक गहरी प्रशासनिक विफलता का लक्षण हैं। इंदौर की घटना देश के अलग-अलग हिस्सों में घट चुकी समान त्रासदियों की कड़ी है। गुजरात के महिसागर जिले में हाल में पीलिया का प्रकोप बोरवेल और नगरपालिका जलस्रोतों के दूषित होने से जुड़ा पाया गया। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में प्रदूषित नल जल पीने से लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। ओडिशा के संबलपुर में 2014 के हेपेटाइटिस प्रकोप में लगभग 3,900 से अधिक लोग संक्रमित हुए और लगभग 36 लोगों की मौत हुई थी। भारत में असुरक्षित पेयजल कोई स्थानीय चूक नहीं, बल्कि बार-बार उभरने वाला संकट है। इस संकट का पैमाना भयावह है। 2005 से 2022 के बीच भारत में तीव्र दस्त, टाइफाइड, वायरल हेपेटाइटिस और हैजा जैसी प्रमुख जलजनित बीमारियों के 20.98 करोड़ से अधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें 50,000 से अधिक मौतें हुईं। इसके अलावा नीति आयोग के कंपोजिट वाटर मैनेजमेंट इंडेक्स के अनुसार हर साल लगभग दो लाख लोग सुरक्षित पेयजल की अपर्याप्त उपलब्धता के कारण अपनी जान गंवाते हैं। इसके बावजूद जल गुणवत्ता कभी भी उतनी राजनीतिक प्राथमिकता नहीं बन पाती, जितनी अन्य पर्यावरणीय संकेतक बनते हैं। वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में 120वें स्थान पर है। अनुमान है कि देश के लगभग 70 प्रतिशत जलस्रोत दूषित हैं। दूषित पानी से होने वाली बीमारियां काम के दिनों की हानि, बढ़ते चिकित्सा खर्च और श्रम उत्पादकता में गिरावट का दुष्चक्र पैदा करती हैं। जल आपूर्ति एवं स्वच्छता मंत्रालय के अनुसार, इससे 3.77 करोड़ लोग प्रभावित होते हैं और हर साल करीब 7.3 करोड़ कार्यदिवसों का नुकसान होता है। इन प्रकोपों की जड़ अक्सर जलस्रोत नहीं, बल्कि वह यात्रा होती है, जो पानी स्रोत से नल तक तय करता है। कई शहरों में रिपोर्टें बताती हैं कि सीवर का पानी पेयजल पाइपलाइनों में मिल जाता है। यह शहरी शासन की एक जानी-पहचानी विफलता है। नगरपालिका विभाग अक्सर एक-दूसरे से कटकर काम करते हैं। सड़क निर्माण एजेंसियां बिना जल और सीवरेज विभागों से समन्वय किए खुदाई कर देती हैं। भूमिगत उपयोगिताओं के सटीक और साझा नक्शों के अभाव में भारी मशीनें पेयजल पाइपों को तोड़ देती हैं और सीवर लाइनों को क्षतिग्रस्त कर देती हैं। इससे सीवर का गंदा पानी जल पाइपों में चला जाता है और समस्या तब सामने आती है, जब तक जनहानि हो चुकी होती है। यह समन्वयहीनता शहरी अवसंरचना कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से और गहरी हो जाती है। कई बार नई पाइपलाइनें बिछा दी जाती हैं, जबकि नीचे मौजूद पुरानी, रिसती और जर्जर नेटवर्क व्यवस्था पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। भारत शहरीकरण को तो बढ़ावा दे रहा है, लेकिन इसमें सुरक्षा प्रोटोकाल, निरंतर निगरानी और संस्थागत जवाबदेही को अनदेखा कर दिया है। जल क्षेत्र की सबसे बड़ी कमी स्वतंत्र नियमन का अभाव है। बिजली क्षेत्र में राज्य विद्युत नियामक आयोग बनाए गए, ताकि सेवा प्रदाय और नियमन को अलग किया जा सके और मानकों का प्रवर्तन हो सके। शहरी जल आपूर्ति में ऐसी कोई समान व्यवस्था नहीं है। नगरपालिका ही पानी देती है, वही जांच करती है और वही तय करती है कि सब ठीक है या नहीं? यानी संभावित प्रदूषक और नियामक अक्सर एक ही इकाई होते हैं। जब कोई स्वतंत्र नियामक नहीं होता तो न तो नियम सख्ती से लागू होते हैं और न ही गलती पर सजा मिलती है। पानी की जांच के नतीजे जनता से छिपे रहते हैं और प्रदूषण को तब माना जाता है, जब लोग बीमार पड़ने या मरने लगते हैं। इसलिए सरकार पहले से रोकथाम करने के बजाय हादसे के बाद ही मरम्मत करती है। यह नियामक कमजोरी एक कानूनी शून्य से भी जुड़ी है। जहां भारत ने खाद्य का अधिकार जैसे वैधानिक अधिकार सुनिश्चित किए हैं, वहीं सुरक्षित पेयजल अब भी एक 'निहित' अधिकार है, जो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार की न्यायिक व्याख्या से निकला है, न कि स्पष्ट सेवा मानकों वाले किसी प्रवर्तनीय कानून से। दूषित पेयजल संकट से निपटने के लिए हादसे के बाद तात्कालिक उपाय करना पर्याप्त नहीं है। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जो समस्या पैदा होने से पहले ही उसे रोक सके। इसके लिए जमीन के नीचे की पाइपलाइनों का सही नक्शा होना चाहिए, पानी की आपूर्ति करने वालों और उसकी जांच करने वालों को अलग रखा जाना चाहिए और अमृत 2.0 में नल से साफ और सुरक्षित पानी पहुंचाने पर जोर देना होगा। इंदौर की मौतें कोई चूक नहीं, चेतावनी हैं। भारत ने जिस गंभीरता से हवा की गुणवत्ता मापनी सीखी है, अब उसी गंभीरता से उसे अपने पीने के पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी।

रेबीज से होने वाली मौतों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की जरुरत है

> कुछ समय पूर्व सरकारी खबरों के अनुसार अनुसार भारत में, रेबीज से होने वाली मौतों को 2030 तक कम करके शून्य करने का लक्ष्य है। लक्ष्य अच्छा था क्योंकि यह उस समाचार के बाद था जिसके कारण हर साल लगभग 5,700 मौतें रेबीज के कारण हो रही थी। हालांकि, रेबीज से होने वाली मौतों में 75% की कमी भी दर्शाई गई थी।

कुत्तो के कटाने और रेबीज़ होने की घटनाओं के समाचार तो रोज आते रहते है परन्तु उत्तर प्रदेश में जनपद बदायूं के उझानी थाना क्षेत्र के पिपरौल गांव से एक अज़ब घटना सामने आई है । वहां एक भैंस की मौत के बाद गांव में डर का माहौल बन गया। हालात ऐसे हो गए कि एक घर में तेरहवीं की दावत में रायता खाने वाले करीब 200 ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उझानी पहुंचकर एहतियातन रैबीज का टीका लगवाया। ग्रामीणों के मुताबिक, 23 दिसंबर 2025 को गांव में तेरहवीं संस्कार था, जिसमें पूरे गांव की दावत रखी गई थी। दावत में रायता भी परोसा गया, जिसे बड़ी संख्या में लोगों ने खाया। बाद में जानकारी सामने आई कि जिस भैंस के दूध से रायता तैयार किया गया था, उसे कुछ दिन पहले एक कुत्ते ने काट लिया था। 26 दिसंबर को उस भैंस की मौत भी हो गई। इसके बाद गांव में संक्रमण की आशंका को लेकर अफरा तफरी मच गई। डर के माहौल में शनिवार को पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं और युवा भी बड़ी संख्या में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और वैक्सीनेशन कराया। रेबीज के बारे में जाने तो यह एक जानलेवा बीमारी है जो संक्रमित जानवरों की लार से फैलती है, खासकर कुत्तों के काटने से। एक बार जब रेबीज के लक्षण दिखने लगते हैं, तो यह लगभग हमेशा घातक होती है। एक आंकड़े से पता चलता है कि रेबीज से दुनिया भर में हर साल करीब 60 हजार मौतें होती है, जिसमें से 95 प्रतिशत से अधिक मौतें अफ्रीका और एशिया में होती हैं। रेबीज एक वायरल बीमारी है जो जानवरों से मनुष्यों में फैलती है। खासकर कुत्तों के काटने से यह बीमारी होती है। रेबीज दुनिया भर में संक्रामक रोगों से होने वाली मौत का 10वां सबसे बड़ा कारण है। भारत में हर साल रेबीज से होने वाली मौतों में से ज्यादातर मामले कुत्ते के काटने के कारण होते हैं। उत्तर प्रदेश ये घटना अलग-थलग और दुर्लभ हैं । हालांकि, अब वे पूरे भारत में परेशान करने वाले हो गए हैं। वे एक मूक संकट पर कठोर प्रकाश डालते हैं जो वर्षों से तेज हो रहा है। आवारा कुत्तों की आबादी में विस्फोट के परिणामस्वरूप सार्वजनिक सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए विनाशकारी परिणाम हुए हैं। फिर भी, केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और स्थानीय प्राधिकरण आवारा कुत्तों की समस्या को समाप्त करने में विफल रहे हैं जो जल्दी से जनता के लिए खतरा बन रहा है।स्ट्रीट डॉग लंबे समय से भारतीय शहरों और गांवों में मनुष्यों के साथ सह-अस्तित्व में हैं। हालांकि, आज उनकी संख्या अभूतपूर्व और खतरनाक है। औपनिवेशिक युग के दौरान और आजादी के बाद भी कई दशकों तक, कुत्तों की आबादी नियंत्रण की मानक विधि में शामिल था, या शाब्दिक संसदीय भाषा में, ₹कुत्तों को नष्ट करना₹। ऑपइंडिया द्वारा लोकसभा और राज्यसभा से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, हर साल स्थानीय अधिकारियों द्वारा उनकी संख्या को नियंत्रित करने के प्रयास में हजारों कुत्तों को मार दिया जाता है। हालांकि, इस तरह के कठोर उपायों के बावजूद, जनसंख्या बढ़ती रही। इसने भारतीय संदर्भ में किल-आधारित रणनीतियों की विफलता की ओर इशारा किया। हालांकि, संख्या कुछ हद तक नियंत्रण में रही, और अगर विधि को नसबंदी अभियानों के साथ मिलाया गया होता, तो यह सड़क के कुत्तों की आबादी को काफी हद तक नियंत्रित करता। काश, यह वैसा नहीं होता जैसा इसे होना चाहिए था। 2012 की पशुधन गणना में कहा गया था कि भारत में लगभग 1। 71 करोड़ आवारा कुत्ते थे। 2019 में, रिपोर्ट की गई संख्या 1। 53 करोड़ थी। जबकि आंकड़े आवारा लोगों की संख्या में कमी दिखाते हैं, विशेषज्ञों ने इन आंकड़ों की सटीकता पर सवाल उठाए। उन्होंने अंडर-रिपोर्टिंग और असंगत सर्वेक्षण विधियों का हवाला दिया। की स्थिति पेट होमलेसनेस इंडेक्स ऑफ इंडिया का अनुमान है कि 2024 में सुझाव दिया गया है कि भारत में 6 करोड़ से अधिक आवारा कुत्ते हो सकते हैं, जो शायद दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह वृद्धि केवल शहरों तक ही सीमित नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में मुक्त-घूमने वाले कुत्तों में नाटकीय वृद्धि देखी गई है। दशकों पहले, आवारा कुत्तों का मुद्दा अभी भी प्रबंधनीय था, लेकिन अब यह भारी अनुपात का संकट बन गया है। इस उछाल के पीछे शहरीकरण, कचरा न जुटाना, खराब योजना, अप्रभावी जनसंख्या नियंत्रण प्रणाली और तथाकथित कुत्ते प्रेमियों की बढ़ती संख्या है, जिन्होंने इसे अपने जीवन का आदर्श वाक्य बना लिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अधिकारी खतरनाक कुत्तों को अन्य स्थानों पर भी नहीं ले जा सकें।आवारा कुत्तों की आबादी में अनियंत्रित वृद्धि के मुख्य कारणों में से एक पशु नियंत्रण के आसपास नीतिगत पक्षाघात है। सुप्रीम कोर्ट समर्थित पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियम पहली बार 2001 में पेश किए गए थे। नए नियमों के अनुसार, आवारा कुत्तों का प्रबंधन करने का एकमात्र स्वीकार्य तरीका नसबंदी और टीकाकरण था, जिसके बाद उसी स्थान पर छोड़ दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कुत्ते समर्थक ₹पशु कल्याण₹ समूहों के इशारे पर एक निर्णय पारित किया, जिससे अधिकारियों और जनता के लिए कुत्तों से छुटकारा पाना असंभव हो गया, यहां तक कि उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करके जहां पशु-मानव संपर्क को कम किया जा सकता था जबकि नियम सिद्धांत रूप में ₹मानवीय₹ दिखाई देते हैं, उन्हें व्यवहार में लागू करना बेहद कठिन है, विशेष रूप से आवारा कुत्तों की आबादी में सेंध लगाने के लिए आवश्यक पैमाने पर। संख्या को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए, किसी दिए गए क्षेत्र में आवारा कुत्तों की आबादी का कम से कम 70% निष्फल होना चाहिए। हालांकि, अधिकांश भारतीय शहरों में, कवरेज कथित तौर पर सबसे खराब है।नगर निकाय सीमित धन, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षित कर्मियों की कमी और समग्र अक्षमता और सकल लापरवाही के शीर्ष पर पशु कल्याण समूहों से प्रतिक्रिया के साथ संघर्ष करते हैं। परिणाम एक धीमा और अप्रभावी नसबंदी प्रयास है, जो आवारा जानवरों की प्रजनन दर से मेल खाने में असमर्थ है। इसके अलावा, कई भारतीय समुदायों में, आवारा कुत्तों को खिलाना दयालुता का कार्य माना जाता है।

अशोक भाटिया

जन सुराज का...

ललित गर्ग

इन्दौर की जल-त्रासदी और प्रशासनिक लापरवाही का नंगा चेहरा

> आज सोशल मीडिया के प्रति दीवानगी का आलम यह है कि लगभग प्रत्येक व्यक्ति इससे जुड़ा है। सुबह के अभिवादन से शुरु होकर अपने हर सामाजिक (सोशल) दायित्व का निर्वहन सोशल मीडिया पर ही किया जाता है। अपने परिवेश की हर घटना- दुर्घटना की जानकारी सबसे पहले सोशल मीडिया पर डालने का चलन इतना बढ़ गया कि कुछ लोग व्यसनी प्रतीत होने लगते हैं।

स्वच्छता रैंकिंग में लगातार टॉप पर आने वाले इंदौर में दूषित पेयजल की वजह से हुई मौतें कथनी और करनी की असमानता की पौल खोलती भयावह लापरवाही का नतीजा हैं। स्थानीय लोगों का यह आरोप बेहद गंभीर है कि पानी की क्वॉलिटी को लेकर लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई और दुर्भाग्य से इतनी बड़ी वारदात के बाद भी अदालत को दखल देकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने का आदेश देना पड़ रहा है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं है और न ही इसे तकनीकी खामी कहकर टाला जा सकता है। यह घटना उस व्यवस्था का क्रूर और नंगा सच है, जो स्वच्छता के तमगों से सजी हुई है लेकिन भीतर से सड़ चुकी है। जिस शहर को लगातार सात वर्षों तक देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया जाता रहा, वहीं दूषित पेयजल के कारण पंद्रह निर्दोष लोगों की मौत हो जाना पूरे तंत्र पर एक गहरा प्रश्नचिह्न है। यह त्रासदी साबित करती है कि चमकदार रैंकिंग और पुरस्कार जीवन की वास्तविक सुरक्षा का विकल्प नहीं हो सकते। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर का पानी मिल गया, जिससे हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। सौ से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए, सैकड़ों बीमार पड़े और अनेक परिवार हमेशा के लिए उजड़ गए। सभ्य समाज में यह कल्पना ही आत्मग्लानि से भर देने वाली है कि जिस पानी को जीवनदायिनी मानकर पिया गया, वही सीवर की गंदगी से मिला हुआ था। सबसे अधिक पीड़ादायक तथ्य यह है कि यह सब अचानक नहीं हुआ। नागरिकों ने पहले ही दूषित पानी की शिकायतें की थीं। पानी के रंग, गंध और स्वाद में बदलाव की जानकारी दी गई थी, लेकिन नगर निगम, जलप्रदाय विभाग और स्वास्थ्य तंत्र कुंभकर्णी नींद में सोए रहे। प्रशासन तब हरकत में आया जब मौतें हो चुकी थीं। यह लापरवाही नहीं, बल्कि गहरी संस्थागत असंवेदनशीलता, क्रूरता एवं अमानवीयता है। यह उस प्रशासनिक संस्कृति का परिणाम है जिसमें फाइलें और औपचारिकताएं मानव जीवन से अधिक मूल्यवान हो गई हैं। सवाल यह नहीं है कि पानी में सीवर कैसे मिला, असली सवाल यह है कि चेतावनियों के बावजूद इसे रोका क्यों नहीं गया? हर बार की तरह इस बार भी जांच समितियां बनीं, मुआवजे की घोषणाएं हुईं और कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। भले ही अपर नगर आयुक्त को इंदौर से हटा दिया है और प्रभारी अधीक्षण अभियंता से जिम्मेदारी वापस ले ली है। लेकिन, क्या इतना काफी है? इस तरह की 'रूटीन' कार्रवाई जिम्मेदारों को सबक नहीं देतीं, बल्कि पीड़ितों का मजाक बनाती हैं। क्या इन दिखावे की कार्रवाइयों से

मृतकों का प्रायश्चित हो गया? क्या इससे भविष्य में ऐसी घटनाएं रुकेंगी? सच्चाई यह है कि जांच समितियां अब जवाबदेही तय करने का नहीं, बल्कि मामले को ठंडा करने का माध्यम बन चुकी हैं। इस दुखद घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी ने लोगों के घावों को और गहरा किया। जिस क्षेत्र में यह त्रासदी घटी, उसके प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का विभाग आता है, उनकी असंवेदनशील टिप्पणियों ने जनता के आक्रोश को बढ़ाया। बाद में खेद प्रकट किया गया, लेकिन सवाल यह है कि खेद से क्या उन परिवारों का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया? यह सही है कि उमा भारती जैसी वरिष्ठ नेत्री ने दोषियों से प्रायश्चित और दंड की मांग की, लेकिन देश का अनुभव बताता है कि ऐसी मांगें अक्सर समय के साथ फीकी पड़ जाती हैं। मध्य प्रदेश में डबल इंजन वाली सरकार का खूब प्रचार किया जाता है, लेकिन इंदौर की घटना ने दिखा दिया कि यदि व्यवस्था की पटरियां जर्जर हों, तो इंजन कितने भी हों, दुर्घटना तय है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण की बात कही थी और जीवन को सुगम बनाने के लिए प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने पर जोर दिया था। लेकिन जब नागरिकों को स्वच्छ जल, स्वच्छ हवा, स्वस्थ चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं ही सुरक्षित रूप से उपलब्ध न हों, तो जीवनयापन को सुगम बनाने की बात खोखली लगती है। सर्वोच्च न्यायालय बार-बार स्पष्ट कर चुका है कि स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित जल का अधिकार संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की यह त्रासदी इस अधिकार का खुला उल्लंघन है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर पानी में जहरीला पदार्थ मिलाए और उससे लोगों की मौत हो जाए, तो वह गंभीर अपराध माना जाता है। फिर जब प्रशासन की लापरवाही से जहरीला पानी घर-घर पहुंचता है।

इनमें से कोई ...

जगदीश रत्तनानी

ईश्वर, गैया हाइपोथिसिस और अरावली की लूट

दुनिया भर में संकट की जड़ में प्रकृति के बारे में यह नासमझी है लेकिन विशेष रूप से भारत में जहां कांक्रीट या प्लास्टिक, बढ़ते वायु और जल प्रदूषण, जैव विविधता का नुकसान तथा संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र में एक पौराणिक राष्ट्रीय महानता की ओर बढ़ने की अंधी दौड़ में दिखाई देने वाले हॉट स्पॉट हैं। व्यापारिक समूहों द्वारा देश में प्रगति और विकास के लेबल के नाम पर अरावली पर्वत श्रृंखला पर कब्जा करने का प्रयास लंबे समय से चल रहे इस खेल का नवीनतम अध्याय है जिसने नासमझ निष्कर्षण की तलाश में प्रकृति को त्याग दिया है। जाने-माने कवि- गीतकार जावेद अख़्तर और इस्लामी अध्ययन के स्नातक मुफ़्ती शमैल नदवी के बीच हमेशा जीवंत विषय : 'क्या ईश्वर का अस्तित्व है? पर बहस ने बहुत दिलचस्पी जाग्रत की और टिप्पणियां की हैं। जावेद नास्तिक हैं एवं उन लोगों के प्रिय हैं जो विचार, तर्क और धर्मनिरपेक्षता के साथ खड़े हैं और आज भारत में इन्हीं मूल्यों पर हमले हो रहे हैं। वे एक अल्प ज्ञात रिचर्ड डॉकिन्स पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय हैं जो प्रतिवर्ष एक 'प्रतिष्ठित व्यक्ति को दिया जाता है, जो सार्वजनिक रूप से धर्मनिरपेक्षता और तर्कवाद के मूल्यों की घोषणा करते हैं, वैज्ञानिक सत्य को बनाए रखते हैं, जहां भी यह ले जा सकता है'। लेकिन हम पूछ सकते हैंः आधुनिकता और मूल्य-मुक्त विज्ञान हमें वास्तव में कहां ले जा रहा है? दुख इसी काउंटर सवाल में निहित है जिसे अख़्तर-नदवी टेलीविजन शैली की बहस में कोई जगह नहीं मिली। टेक्नोसाइंस नामक एक कॉम्पैक्ट में जोड़े गये विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मार्च ने एक ओर उल्लेखनीय प्रगति की

है। लेकिन दूसरी ओर शोषण को इतने आश्चर्यजनक पैमाने पर ले गया है कि इसने सामने आने वाले जलवायु संकट को जन्म दिया है, मानवता को एक पारिस्थितिक आपदा के कगार पर ला दिया है और हमें एंथ्रोपोसीन युग (इसे अक्सर औद्योगिक क्रांति या 20वीं सदी के मध्य से शुरू हुआ माना जाता है जिसमें मानव गतिविधियों ने पृथ्वी के पर्यावरण और जलवायु पर गहरा व निर्णायक प्रभाव डाला है। इसमें जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, और जैव विविधता का ह्रास शामिल है) में पहुंचा दिया है। कुछ लोगों के लिए प्रगति तत्काल और भौतिक स्तर पर होती है लेकिन दीर्घकाल में धरती के लिए नुकसान-दायक होती है। यह अनिवार्य रूप से पश्चिमी शैली की लूट तथा 'मदर नेचर' पर कब्जा है जिसका पता अक्सर 17वीं शताब्दी और तर्क के युग (एज ऑफ रीज़न) की शुरुआत और 18वीं शताब्दी के बाद के ज्ञानोदय आंदोलन में लगाया जाता है। इस विजय जुलूस ने वैज्ञानिक पद्धति और न्यूनीकरणवादी दृष्टिकोण को गहराई से आधुनिक विज्ञान के चमत्कारों को नई खोजों और आविष्कारों में लाया जो आज भी जारी है।

जरा हटके

सोशल मीडिया पर ...

डॉ विनोद बब्बर

व्यसन बनते सोशल मीडिया को सकारात्मक दिशा कब

सोशल मीडिया आज की आवश्यकता है या विवशता, शौक है या व्यसन, ज्ञान के विस्तार का माध्यम है या ठगी का जाल, व्यापार का उन्नायक है या सामाजिक गतिविधियों का काल, समाज में अशान्ति उत्पन्न करने का माध्यम है या सूचना की तीव्रतम विस्तार का प्लेटफार्म, इन या ऐसी ही तमाम बातों पर मतभेद हो सकते हैं लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि सोशल मीडिया ने हमारे जीवन का अंग बन चुका है। यह कम आश्चर्य की बात नहीं कि 2004 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक छात्र मार्क जुकरबर्ग ने अपने साथी छात्रों के साथ जुड़ने के लिए जिस फेसबुक का निर्माण किया था वह आज पूरे विश्व को जोड़ने का कार्य कर रहा है। दिसंबर 2012 में भारत में आरंभ हुए सोशल मीडिया ने बहुत तेजी से अपनी पकड़ बनाई। आज समाज के हर क्षेत्र को प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया का भरपूर दोहन करने में राजनीति से व्यापार तक, विज्ञापन से ठगी का जाल फैलाने पर भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। कभी भ्रष्टाचार के खिलाफ आन्दोलन को इसी सोशल मीडिया ने हवा की तरह फैला दिया था। लेकिन भेष बदलकर (नकली आईडी से) भ्रष्ट्र आचरण (कामुक जाल, ठगी, ब्लैकमैलिंग आदि) करने वाले भी इसी सोशल मीडिया पर खूब फलफूल रहे है। नाबालिग बच्चों तक के फेसबुक एकाउन्ट है। मस्ती से ज्ञान और व्यापार तक क्या नहीं है इस सोशल मीडिया में। सोशल मीडिया पर आमतौर पर यह आरोप लगाया जाता है कि इसने समाज को अपनी मजबूत गिरफ्त में ले लिया है। आज घर से सार्वजनिक स्थान, बस से ट्रेन और मेट्रो, पार्क से प्लेटफार्म, विश्वविद्यालय से स्टेडियम तक मोबाइल पर आंखे गढ़ाये स्थितप्रज्ञों के समूह देखे जा सकते है। एक टांग पर खड़ा होने वाला बगुला भी इन स्थितप्रज्ञों के समक्ष नतमस्तक होने के अतिरिक्त कुछ नहीं कर सकता। घर में परिवार के सदस्यों का आपसी संवाद व्हाट्सएप के माध्यम से होने लगे तो माना जा सकता है कि पुराने परंपरागत नशे से भिन्न सोशल मीडिया का नशा कम घातक नहीं है। इसने युवा पीढ़ी को कला, साहित्य जैसे संस्कृति के विभिन्न आयामों से विमुख कर दिया है। प्रथम दृष्टया यह आरोप सही प्रतीत होता

है। जिसे देखो वही सोशल मीडिया पर प्रदर्शित करने के लिए रील बनाते हुए समाज की परंपराओं और संस्कारों को भी विकृत रूप से प्रस्तुत कर रहा है। द्विअर्थी अश्लील अनर्गल को महिमा मंडित करती ऐसी रिल्स पर शर्मिंदगी महसूस करने की बजाय गर्व करने वालों की संख्या बढ़ रही है। इस बात से इन्कार नहीं है कि सोशल मीडिया ने समाज को कुछ दिया है लेकिन कुंठित लोगों द्वारा इसका भरपूर दुरुपयोग भी हो रहा है। रील के चक्कर में रियल वैल्यूज गहरे दफन की जा रही है। ऐसा करने वाले आज उनकी अपेक्षा के अनुरूप 'लाइक' प्राप्त कर रहे हो लेकिन कल उनकी स्वयं की 'लाइफ' इस पाप के सजा भुगतेगी। समाजशास्त्री लगातार विचार कर रहे हैं कि ऐसा क्या किया जाये कि सोशल मीडिया की आभासी दुनिया को असली दुनिया की ओर कैसे ले जाये। इसी कड़ी में यह समाचार कुछ राहत प्रदान करता है कि कर्नाटक के हलगा गांव में रोज शाम 7 बजे सायरन बजते ही टीवी-मोबाइल बंद हो जाते हैं।

परहित सरिस धर्म नहीं भाई

हम कदम ऐसा चले कि निशान बन जायें और काम ऐसा करें कि पहचान बन जायें । वह यहाँ जिंदगी तो सभी जी लेते हैं मगर जिन्दगी ऐसी जीओ कि हम सबके लिए मिसाल बन जायें । हमारा जीवन है वह जीवन में और बातों के साथ-साथ एक और पहलू परोपकार है । वह जो मनः संतुष्टि का आधार है। यह साथ ही साथ धार्मिक वृत्ति का भी एक प्रकार है । गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी सटीक कहा है कि परहित सरिस धर्म नहीं भाई। वह यानि सबसे बड़ा धर्म दूसरों की भलाई है । अपने हित के लिए तो दुनियां में सभी जीते हैं । वह दूसरों के लिए जीने वाले जीवन का अमृत पीते हैं । वह जो यह सदा दूजों की भलाई की बात पर हित सोचता है व उसके जीवन के मूलगुणों की कभी घात नहीं होती है । वह सदा परोपकार के वैभव से सम्पन्न व धनवान बने रहते हैं । यही सचमुच में हर महान व्यक्ति की पहचान होती है। परोपकार एक ऐसी औषधि है जीसके सेवन से ईर्ष्या, द्वेष ,अहंकार आदि जैसी कोई बीमारी नहीं होती है। अपने लिए तो हर कोई जीते हैं । वह सुख सुविधा के अनेक प्रयास से साधन जुटाते है । वह औरों के लिए जो जिए उस पर ईश्वर भी अपनी करुणा लुटाते हैं । हमारे सामने परोपकार का जीता जागता उदाहरण युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी हैं । वह जन-जन के कल्याण हेतु रात दिन श्रम करते है और उन्हें सन्मार्ग दिखाते हैं । हमारे जीवन में अगर परोपकार का स्रोत बहेगा तो मान के चले उसके जीवन में प्रतिपल सुख और शांति का उमड़ता सागर है। शास्त्रानुसार भी पर सेवा हमारे जीवन की पवित्र कमाई है । हम अपनों की सेवा करें, कोई बड़ी बात नहीं हैं । पीड़ित मानवता की निष्काम सेवा करना ही असली कमाई है। हम यह याद रखें सृष्टि में सिर्फ इन्सान को ही ईश्वरीय मन मिला है जिसमें सहानुभूति का कमल खिल सकता है । वह हम इसका यथोचित उचित उपयोग करें जिससे आधिकाधिक लोग लाभान्वित हों । हम जब किसी की दिल से सेवा - सहायता करते हैं तो स्वतः ही हमारा दिल विशाल होने लगता है । वह कमाल होता है । अद्भुत आंतरिक शांति मिलने लगती है । वह आनंदाभूति और खुशी की प्राप्ति होती है। अतः मानवोचित है कि हम अपने प्राप्त क्षमता, ज्ञान, प्रतिभा आदि का उपयोग दूसरों की सेवा और भलाई के लिए भी करें। यानि हम दूसरों के लिए भी जिएं। हम अपने जीवन में परोपकार का अभ्यास करें और जीवन में नई उमंग, उत्साह और खुशियों आदि के नए - नए रंग भरे। वह किसी के जीवनचर्या में परोपकार आदि बहुत बड़ी थाती है । अतः हम कभी भी भलाई के काम को छोटा न समझें । यह निष्काम भाव से करते जाएँ जो मोटा अदृश्य लाभ है । वह पर-कारज को प्राथमिकता देते वे बहुत बड़ी कमाई कर लेते हैं । ऐसे कर्म दूजों के दिलों में सदा-सदा के लिए जगह बना लेते हैं । वह उनके मूक कृतज्ञ भावों से जीवन सराबोर कर लेते हैं । एक पुरातन कहावत है परहित सरिस धर्म नहीं भाई। वह यह कहना अतिशयोक्ति नहीं हैं कि परहित सरिस कर्म नहीं भाई।

> प्रदीप छाजेड़

शाहरुख की आईपीएल टीम ने ₹9.20 करोड़ में खरीदा था, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के कारण विरोध

बीसीसीआई का निर्देश : केकेआर बांग्लादेशी क्रिकेटर को हटाए

मुबंई, एजेंसी

BCCI ने शाहरुख खान की IPL टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को टीम से हटाने का निर्देश दिया है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर जारी हिंसा की वजह से उन्हें हटाने की मांग उठ रही थी। BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि हाल के दिनों में जो घटनाक्रम सामने आए हैं, उन्हें देखते हुए बोर्ड ने KKR को मुस्तफिजुर को रिलीज करने का निर्देश दिया है। अगर फ्रेंचाइजी किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की मांग करती है, तो उसे इसकी अनुमति दी जाएगी। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा के बीच रहमान के IPL में खेलने का विरोध हो रहा है। वहां पिछले 14 दिन में 3 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है।

केकेआर ने रहमान को 9.2 करोड़ रुपए में खरीदा

रहमान को शाहरुख की फ्रेंचाइजी KKR ने पिछले महीने अबुधाबी में हुए IPL मिनी ऑक्शन में 9.2 करोड़ रुपए में खरीदा था। वे IPL में बांग्लादेश के अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे।

भाजपा नेता संगीत सोम बोले- शाहरुख कभी पाकिस्तान का समर्थन करते कभी बांग्लादेश का

भाजपा नेता संगीत सोम ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं को चुन-चुनकर मारा जा रहा है। ऐसे में वहां के खिलाड़ियों को खरीदना, यह तो देश के साथ गद्दारी हुई न। शाहरुख खान जैसे लोग गद्दार हैं। ये कभी पाकिस्तान का समर्थन करते हैं तो कभी बांग्लादेश का। ये हर उस देश का समर्थन करते हैं जो हिंदुओं के साथ अत्याचार करता है। जबकि ये गद्दार लोग नहीं जानते कि आपको सुपरस्टार भारत के लोगों ने बनाया है।

सितंबर में बांग्लादेश का दौरा करेगा भारत

रहमान के IPL खेलने पर विवाद के बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम सितंबर में बांग्लादेश का दौरा करेगी। इस सीरीज में 3 वनडे और 3 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। शुक्रवार को BCB के क्रिकेट ऑपरेशंस प्रभारी शाहरीयार नफीस ने बताया कि भारतीय टीम 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी। वनडे मुकाबले 1, 3 और 6 सितंबर, जबकि टी-20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे।

पिछले सीजन में रहमान 3 मैच खेले, 4 विकेट झटके

रहमान ने पिछले सीजन में दिल्ली की ओर से 3 मैच खेले थे और 4 विकेट लिए थे। उन्हें दिल्ली ने 6 करोड़ रुपए में मिचेल स्टार्क की जगह अपने साथ जोड़ा था। स्टार्क ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की तैयारियों के लिए आखिरी लीग मैच नहीं खेले थे। रहमान ने 2015 में भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने उसी सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट झटके थे। इसके बाद उन्होंने बांग्लादेश के लिए तीनों फॉर्मेट में क्रिकेट खेला।

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने केकेआर के मालिक शाहरुख खान से बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से हटाने की अपील की थी। निरुपम ने कहा- 'जब पूरा देश बांग्लादेश को लेकर गुस्से और नाराजगी में है। हम उनसे अनुरोध करते हैं कि वे उस बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम से हटा दें।' वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा- बांग्लादेशी खिलाड़ियों को आईपीएल में भारतीय धरती पर खेलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

भारतीय कप्तान गिल नार्वे के फुटबॉलर हालैंड से मिले

शुभमन ने जर्सी गिफ्ट की, एर्लिंग ने साइन किए हुए जूते दिए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने नॉर्वे के स्टार फुटबॉलर एर्लिंग हालैंड से मुलाकात की हैं। दोनों स्पोर्ट्स ग्रेट्स की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर हालैंड, गिल को अपने साइन किए हुए फुटबॉल बूट्स गिफ्ट करते नजर आ रहे हैं। इस खास जेस्चर के जवाब में शुभमन गिल ने भी हालैंड को अपनी साइन की हुई जर्सी सौंपी। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे के कंधे पर हाथ रखकर साथ में फोटो खिंचवाई, जिसने क्रिकेट और फुटबॉल के बीच एक खूबसूरत क्रॉसओवर मोमेंट को और यादगार बना दिया। 26 साल के भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल के हाथ में नॉर्वे की जर्सी भी नजर आई, जिसे एर्लिंग हालैंड इंटरनेशनल फुटबॉल में पहनते हैं। शुभमन गिल और हालैंड मौजूदा दौर के सबसे बड़े स्पोर्ट्स स्टार्स में गिने जाते हैं।

कम उम्र में ही दोनों ने अपने-अपने खेल में लगातार शानदार प्रदर्शन कर खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है। शुभमन गिल जल्द ही भारत और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के बीच होने वाली वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे। तीन मैचों की इस सीरीज की शुरुआत 11 जनवरी से होगी, जिसके लिए टीम का ऐलान शनिवार को किया जा सकता है। पहला वनडे वडोदरा में खेला जाएगा, जबकि दूसरा और तीसरा मुकाबला क्रमशः 14 और 18 जनवरी को राजकोट और इंदौर में होगा।

फास्ट न्यूज

बॉर्डर 2 के गीत घर कब आओगे का लॉन्च कार्यक्रम

मुबंई। राजस्थान के जैसलमेर में भारत–पाकिस्तान बॉर्डर के पास ऐतिहासिक लोंगेवाला–तनोट इलाके में फिल्म बॉर्डर 2 के गीत घर कब आओगे का लॉन्च कार्यक्रम आयोजित हुआ। अहान शेट्टी, सिंगर सोनू निगम और फिल्म के को-प्रोड्यूसर भूषण कुमार और निधि दत्ता समेत टीम के कई मेंबर शामिल हुए।

ट्रम्प हर डील में अपने परिवार का फायदा देखते

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल ट्रम्प परिवार के लिए कमाई का जरिया बनता जा रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प सरकार ने पिछले एक साल में जिन-जिन देशों के साथ बड़ी डील्स कीं, उन्हीं से ट्रम्प परिवार का कारोबार भी तेजी से बढ़ा। ट्रम्प जब दोबारा व्हाइट हाउस पहुंचे, तो उन्होंने पहले कार्यकाल की तरह यह वादा नहीं किया कि उनका परिवार नए अंतरराष्ट्रीय सौदे नहीं करेगा। लेकिन, कभी क्रिप्टो को धोखा बताने वाले ट्रम्प अब खुद क्रिप्टो को बढ़ावा दे रहे हैं। ट्रम्प परिवार का कारोबार अब रियल एस्टेट से आगे क्रिप्टो, एआई, डेटा सेंटर्स तक फैल चुका है। आलोचकों का कहना है कि ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रपति पद अमेरिका के लिए कम और परिवार के लिए ज्यादा काम करता दिख रहा है।

बीवाईडी दुनिया में सबसे ज्यादा ईवी बेचने वाली कंपनी बनी

नई दिल्ली। चीनी कंपनी BYD ने बिक्री के मामले में टेस्ला को पीछे छोड़ दिया। BYD की साल 2025 में बैटरी से चलने वाली कारों की बिक्री लगभग 28% बढ़कर 22.5 लाख से अधिक हो गई। वहीं इलॉन मस्क की कंपनी टेस्ला ने 2025 में कुल 16.4 करोड़ इलेक्ट्रिक वाहन बचे, जो 2024 के मुकाबले 9% कम है। टेस्ला की ब्रिक्री में लगातार दूसरे साल गिरावट आई है।

श्रद्धा ने पैपराजी को वीडियो रिकॉर्ड करने से किया मना

पिता शक्ति कपूर के साथ अस्पताल पहुंची थीं एक्ट्रेस

- श्रद्धा और शक्ति कपूर दोनों ने फेस मास्क पहना हुआ था।
- श्रद्धा कपूर इस दौरान असहज दिखीं और उन्होंने वीडियो बनाना बंद करने को कहा।
- श्रद्धा कपूर को आखिरी बार फिल्म स्त्री 2 में देखा गया था, जो साल 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म थी।

मुबंई, एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर शुक्रवार को अपने पिता और एक्टर शक्ति कपूर के साथ मुंबई के एक अस्पताल में नजर आईं। इससे जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। वीडियो में देखा गया कि श्रद्धा अस्पताल से बाहर निकलते समय फ्लोरल शर्ट और ढीली पैंट पहने हुई थीं। वह अपने 73 साल के पिता को संभालते

हुए कार तक लेकर गईं। उन्होंने उन्हें आराम से कार में बैठने में मदद की। इसी दौरान जब श्रद्धा ने देखा कि पैपराजी उनकी रिकॉर्डिंग कर रहे हैं, तो उन्होंने उंगली से इशारा करते हुए "ना, ना" कहा। वह विनम्रता से कैमरे बंद करने का अनुरोध करती दिखीं। फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि श्रद्धा और उनके पिता अस्पताल किस वजह से पहुंचे थे। इस बारे में परिवार की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, यह मामला ऐसे समय सामने आया है।

तारा का टॉक्सिक लुक आया सामने

कॉन्सर्ट विवाद और ट्रोलिंग के बीच सामने आया तारा का अब तक का सबसे खतरनाक अवतार

नई दिल्ली, एजेंसी

बी-टाउन की ग्लैमरस क्वीन तारा सुतारिया (Tara Sutaria) न सिर्फ एक उम्दा अदाकारा हैं, बल्कि अपनी आवाज का जादू बिखेरने में भी आगे हैं। उन्होंने पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के साथ गाना 'थोड़ी सी दारू' गाया था। उन्होंने एक हालिया कॉन्सर्ट में भी एपी ढिल्लों संग इस गाने पर महफिल जमाई लेकिन विवादों में घिर गईं। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियोज सर्कुलेट हुए जिसमें तारा सुतारिया को एपी ढिल्लों किस करते हुए दिखाई दिए, लेकिन सच्चाई कुछ और ही थी। बाद में तारा ने इसे उनके खिलाफ एक पेड पीआर बताया और ट्रोल्स को बुरी तरह लताड़ लगाई। इन विवादों के बीच तारा ने सोशल मीडिया पर अपना टॉक्सिक लुक शेयर किया है। तारा सुतारिया से पहले यश की टॉक्सिक से कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी और नयनतारा का लुक रिवील हुआ था। अब तारा के लुक ने फैंस को इंप्रेस कर दिया है। फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

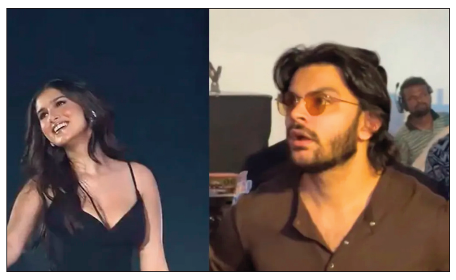

तारा सुतारिया के हाथ में दिखा बंदूक

तारा सुतारिया ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें वह हाथ में बंदूक लिए दिख रही हैं। वह खून-खराबे पर उतर आई हैं और उनकी आंखों में बहुत गुस्सा व आंसू है। ब्लैक स्ट्रैपलेस ड्रेस और छोटे कर्ली बालों में तारा सुतारिया किलर लुक में दिखाई दे रही हैं। हाथ में बंदूक थ्रिल पैदा कर रहा है।

टॉक्सिक लुक में तारा सुतारिया

आपको बता दें कि तारा सुतारिया का ये किलर लुक उनकी आगामी फिल्म टॉक्सिक (Toxic Movie) है। यश स्टारर मूवी में तारा रेबेका (Rebecca) की भूमिका निभा रही हैं। 3 जनवरी 2026 को यश की फिल्म से तारा का लुक रिवील किया गया है।

> *"विवादों के बीच तारा सुतारिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसने फैंस को चौंका दिया। तस्वीरों में तारा हाथ में बंदूक लिए नजर आ रही हैं। उनकी आंखों में गुस्सा और आंसुओं की झलक दिखाई दे रही है।*

19 मार्च 2026 को रिलीज होगी 'टॉक्सिक', यश के जन्मदिन पर टीजर की उम्मीद

फिल्म 'टॉक्सिक' 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। खास बात यह है कि 8 जनवरी 2026 को सुपरस्टार यश का जन्मदिन है। विवादों के बीच तारा सुतारिया का यह टॉक्सिक और किलर अवतार सोशल मीडिया पर छाया हुआ है और फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मिलिट्री ठिकानों को तबाह किया, वेनेजुएला में इमरजेंसी लागू

अमेरिका का वेनेजुएला के 4 शहरों पर मिसाइलों से हमला

काराकस, एजेंसी

अमेरिका ने शनिवार रात को वेनेजुएला की राजधानी काराकस समेत 4 शहरों को निशाना बनाया है। इनमें काराकास के अलावा मिरांडा, अरागुआ और ला ग्वायरा शामिल हैं। अमेरिका ने इन राज्यों के सैन्य ठिकानों पर 7 हवाई हमले किए। पहला हमला स्थानीय समय के मुताबिक रात करीब 2 बजे हुआ। अमेरिकी मीडिया CBS न्यूज के मुताबिक ट्रम्प ने वेनेजुएला के अंदर सैन्य सुविधाओं और कई खास जगहों पर हमले का आदेश दिया था। हमले के एक वायरल वीडियो में शहर के ऊपर कम ऊंचाई से गुजरते करीब 10 विमान नजर आए। रॉयटर्स के मुताबिक, शहर के कई इलाकों में तेज आवाजें सुनी गईं। बाद में यहां बिजली गुल हो गई। हमले के बाद

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने बयान जारी कर कहा कि हमलों का डटकर जवाब दिया जाएगा। मादुरो ने देशभर में इमरजेंसी घोषित कर दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका तख्तापलट करना चाहता है, ताकि वेनेजुएला के तेल और खनिज संसाधनों पर कब्जा कर सके। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल बर्मुडेज ने वेनेजुएला पर अमेरिका के हमलों की निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दुनियाभर के देशों से तुरंत इस हमले की निंदा करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह हमला वेनेजुएला के लोगों और पूरे लैटिन अमेरिका के खिलाफ डराने-धमकाने जैसा है।

काराकास में कई खुफिया एजेंसियां और एयरबेस मौजूद हैं

काराकास वेनेजुएला की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है। यह शहर वेनेजुएला के उत्तरी हिस्से के कोर्डिलेरा दे ला कोस्टा पर्वत श्रृंखला के बीच बसा है और कैरेबियन सागर के काफी नजदीक है। यहीं राष्ट्रपति भवन, रक्षा मंत्रालय, सैन्य मुख्यालय, खुफिया एजेंसियां, और बड़े एयरबेस मौजूद हैं।

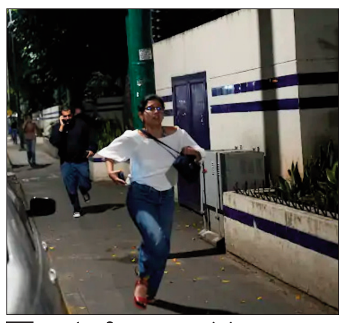

धमाके की आवाज सुनने के बाद राजधानी काराकस में लोग सड़कों पर भागते नजर आए।

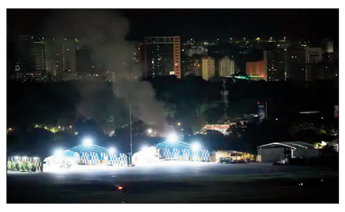

वेनेजुएला की राजधानी काराकस में ला कार्लोटा एयरपोर्ट के पास भी बमबारी हुई।

मंथली इनकम अकाउंट से हर महीने 9,250 की कमाई

पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में 7.4% ब्याज मिल रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने जनवरी-मार्च (Q4FY26) के लिए स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। यानी आपको पहले जितना ही ब्याज मिलता रहेगा। अगर आप रिटायरमेंट के बाद या इससे पहले अपने लिए हर महीने यानी मंथली इनकम का इंतजाम करना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस का नेशनल सेविंग्स मंथली इनकम अकाउंट सही रहेगा। इस स्कीम में अभी 7.4% सालाना ब्याज मिल रहा है। इसके जरिए आप अपने लिए हर महीने 9,250 रुपए की इनकम का इंतजाम कर सकते हैं। इस स्कीम में 5 साल के निवेश करना होता है। पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम अकाउंट भारत सरकार द्वारा समर्थित एक छोटी बचत योजना है, जो उन लोगों के

लिए बनाई गई है जो अपने पैसे को सुरक्षित रखते हुए हर महीने एक निश्चित आय चाहते हैं। यह स्कीम खासकर रिटायर लोगों, बुजुर्गों या उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो जोखिम से बचना चाहते हैं और नियमित आय का जरिया ढूंढ रहे हैं। इसे एक तरह का टर्म डिपॉजिट कह सकते हैं। इस स्कीम में सालाना मिलने वाले ब्याज को 12 महीनों में बांट दिया जाता है और वह अमाउंट आपको हर महीने मिलता रहता है। अगर आप मंथली पैसा न निकाले तो वह आपके पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट में रहेगा। हालांकि इस ब्याज पर आपको ब्याज नहीं मिलेगा। ब्याज का भुगतान मूलधन की रकम पर ही किया जाएगा। मान लीजिए आप इस योजना में 9 लाख रुपए का निवेश करते हैं तो अब आपको 7.4% सालाना ब्याज के हिसाब से सालाना 66 हजार 600 रुपए ब्याज मिलेगा। वहीं अगर आप इसमें जॉइंट अकाउंट के तहत 15 लाख का निवेश करते हैं तो आपको 1 लाख 11 हजार रुपए सालाना ब्याज मिलेगा। इसे 12 महीनों में बराबर बांटे तो आपको हर महीने 9,250 रुपए मिलेंगे। अगर रिटर्न को विड्रॉ नहीं करते हैं तो उस पर भी ब्याज मिलता है।

7 इमरान समर्थकों को आजीवन कारावास

पूर्व पीएम की गिरफ्तारी के बाद ऑनलाइन हिंसा भड़काई थी

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थक माने जाने वाले 7 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामाला इमरान की गिरफ्तारी के बाद 2023 में हुए हिंसक प्रदर्शनों से जुड़ा है। समाचार एजेंसी PTI के अनुसार, सातों पर राज्य संस्थानों के खिलाफ डिजिटल आतंकवाद में शामिल होने का मुकदमा चलाया गया। कोर्ट ने कहा कि इन लोगों ने विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और अशांति भड़काने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्मों का इस्तेमाल किया। दोषी ठहराए गए लोगों में यूट्यूबर आदिल राजा, जर्नलिस्ट वजाहत सईद खान, साबिर शाकिर और शाहीन सहबाई, टेलीविजन एंकर हैदर रजा मेहदी, विश्लेषक मोईद पीरजादा और पूर्व सेना अधिकारी अकबर हुसैन शामिल हैं। यह फैसला इस्लामाबाद की एंटी-टेररिज्म

कोर्ट के जज ताहिर अब्बास सिप्रा ने सुनाया। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं और मुकदमा चलाने के लिए पाकिस्तान नहीं लौटे, इसलिए ट्रायल उनकी गैरमौजूदगी में हुआ। अदालत ने पुलिस को यह भी निर्देश दिया कि अगर वे पाकिस्तान लौटते हैं तो उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया जाए। यह मामला 9 मई 2023 का है, जब इमरान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के समर्थकों ने उनकी गिरफ्तारी के विरोध में देशभर में बड़े प्रदर्शन किए थे।

समर्थन : चीन ने 4 दिन पहले कहा था- हमने भारत-पाक टकराव में मध्यस्थता की

पाकिस्तान ने चीन को संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया

बीजिंग/इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने चीन के 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मध्यस्थता के दावे का समर्थन किया है। चीन के दावे से जुड़े सवाल के जवाब में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने गुरुवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीनी नेता उन दिनों पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ लगातार संपर्क में थे। चीन के नेताओं ने भारतीय नेतृत्व से भी कुछ बातचीत की थी। पाकिस्तान का यह बयान चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बयान के बाद आया है। वांग यी ने 30 दिसंबर को बीजिंग में कहा था कि चीन दुनिया के कई संघर्षों को सुलझाने में मदद करता रहा है। उन्होंने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए तनाव के दौरान भी चीन ने मध्यस्थता की थी। पाकिस्तान सरकार ने ट्रम्प को नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया था। पाकिस्तान का कहना था कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प

की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की। पाकिस्तानी सरकार ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा था कि ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई। चीन, पाकिस्तान को सबसे ज्यादा हथियार देने वाला देश है, इसलिए उस पर सवाल उठते रहे हैं कि वह इस मामले में कितना निष्पक्ष रह सकता है।

भारत पहले भी तीसरे पक्ष की भूमिका नकार चुका है

चीन और ट्रम्प के दावों के उलट भारत सरकार पहले भी साफतौर पर कह चुकी है कि इस पूरे मामले में किसी भी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं थी। भारत का कहना है कि यह तनाव सीधे भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच बातचीत से ही खत्म हुआ। भारत के मुताबिक, भारी नुकसान होने के बाद पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी ने भारतीय सैन्य अधिकारी से संपर्क किया था। भारत का कहना है कि पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस ने भारतीय DGMO से बात की और इसके बाद दोनों देशों ने 10 मई से जमीन, की सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी।

पाकिस्तानी चीफ ऑफ डिफेंस आसिम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ सितंबर में व्हाइट हाउस पहुंचे थे।

मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ था

चीन का यह बयान उस समय को लेकर है, जब इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ था। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान के कई आतंकी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था, जिससे कुल मिलाकर 11 एयरबेस को नुकसान पहुंचा था।

इस हफ्ते चांदी महंगी हुई, सोने के दाम कम हुए

सोना ₹3174 गिरकर ₹1.35 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

इस हफ्ते सोने के दाम में गिरावट रही। सोना 3,174 रुपए गिरकर 1,34,782 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 26 दिसंबर, शुक्रवार को 1,37,956 रुपए पर था। वहीं चांदी में बीते हफ्ते बढ़त रही। चांदी 2,28,107 किलो से बढ़कर 2,34,550 रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 6,443 रुपए बढ़ी है। पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर

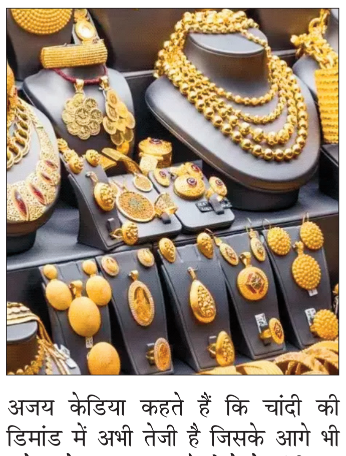

अजय केडिया कहते हैं कि चांदी की डिमांड में अभी तेजी है जिसके आगे भी बने रहने का अनुमान है। ऐसे में चांदी इस साल 2.75 लाख तक जा सकती है। वहीं अगर सोने के बात करें तो इसकी डिमांड में भी तेजी बनी हुई। ऐसे में इस साल आखिर तक ये 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार जा सकता है।

लव जिहाद के आरोपी पर 25 हजार इनाम, दो राज्यों में ढूंढ रही पुलिस
केजीएमयू डॉक्टर के घर की होगी कुर्की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ KGMU के लव जिहाद मामले में फरार आरोपी डॉक्टर रमीजुद्दीन नाइक के खिलाफ एक्शन जारी है। अब रमीज के घरों की कुर्की होगी। शनिवार को लखनऊ पुलिस उत्तराखंड के खटीमा और पैतृक निवास पीलीभीत स्थित घरों की कुर्की करेगी। पुलिस की 2 टीमें उत्तराखंड रवाना हो गई हैं। इस बीच आरोपी डॉक्टर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 5 टीमें लगी हैं। यूपी के अलावा उत्तराखंड में भी छापेमारी की जा रही है। आरोपी डॉक्टर के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जा चुका है। 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित है। इधर, KGMU में कथित कट्टरपंथी गतिविधियों की जांच तेज कर दी गई है। जांच कमेटी में पूर्व डीजी (पुलिस महानिदेशक) भावेश कुमार सिंह को शामिल किया गया है। उन्होंने शुक्रवार को पैथोलॉजी के सभी डॉक्टरों को 1-1 कर बंद कमरे में बुलाकर

सवाल-जवाब किए। दरअसल, पीड़ित महिला डॉक्टर ने अपने सीनियर डॉ. रमीजुद्दीन नाइक उर्फ रमीज मलिक पर यौन शोषण, धर्मांतरण करने का दबाव बनाने का आरोप लगाया था। इसके बाद से ही KGMU में उथल-पुथल मची हुई है। सीएम योगी ने भी पीड़ित से मुलाकात की थी। दोषी को सजा दिलाने का भरोसा दिया था। KGMU कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने 26 दिसंबर को पैथोलॉजी विभाग में धर्मांतरण के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे। इसके लिए 5 सदस्यीय टीम का गठन किया था। इस टीम के चेयरमैन डॉ. केके सिंह थे। बाद में कुछ संगठनों ने इसको लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी। दो दिन बाद ही कमेटी में क्वीनमैरी की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजू अग्रवाल और पूर्व महानिदेशक पुलिस व पूर्व अध्यक्ष सूचना आयोग भावेश सिंह को शामिल किया गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मजिस्ट्रेट के सामने दिए गए बयान में पीड़िता ने FIR में दर्ज कराए सारे आरोप फिर से दोहराए हैं।

सभी विभागों में इकट्ठा किए जाएंगे धर्मांतरण के इनपुट

KGMU प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि सात सदस्यीय कमेटी पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। अब KGMU का कोई भी व्यक्ति परिसर के अंदर धर्मांतरण या इसके प्रयास से जुड़ा इनपुट बिना नाम बताए दे सकता है। इसके लिए एक ईमेल आईडी factfindingcommittee@gmcindia.edu जारी कर दी गई है। अब प्रमुख विभागों और प्रशासनिक अधिकारियों के कार्यालय के बाहर नोटिस चस्पा किया जाएगा। इसमें यह निश्चित किया जाएगा कि डॉक्टर, इंटर्न या स्टूडेंट धर्मांतरण की जानकारी दे। उसे अपना नाम या जानकारी देने की जरूरत नहीं होगी।

■ KGMU का पैथोलॉजी विभाग। इसी में लव जिहाद और धर्मांतरण प्रकरण पर जांच बैठी है।

सूत्रों के मुताबिक, पूर्व डीजी ने पैथोलॉजी के डॉक्टरों के बयान लिए। पहले सारे डॉक्टर एकसाथ उनके पास आए। पूर्व डीजी ने सभी को कमरे से बाहर कर दिया। इसके बाद एक-एक कर अंदर बुलाया। इस दौरान उन्होंने जांच कमेटी के सदस्यों को भी कमरे से बाहर कर दिया। कई दिनों से ड्यूटी से बाहर रहे पैथोलॉजी के लड़ऊ डॉ. सुरेश बाबू भी शुक्रवार को कैंपस पहुंच गए। जांच टीम ने उन्हें तलब किया था। उनसे भी पूछताछ की गई।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल की चमक 1 हफ्ते में मद्धिम पड़ी

पीएम मोदी ने उद्घाटन किया था, नए साल पर लोगों के साथ कुत्ते भी घूमे

- मैदान के बीचों-बीच कतारबद्ध कर लगाए गए पौधे पूरी तरह सूख चुके हैं।
- फाउंटेन में काई जम चुकी है। इसे 1 जनवरी से पहले साफ कराया जाना चाहिए था।
- लोगों ने नया साल मनाने के साथ पूरे पार्क में पॉलिथीन और वेस्ट फेंककर गंदगी कर दी।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्र प्रेरणा स्थल की चमक उद्घाटन के 1 हफ्ते में ही मद्धिम पड़ गई। प्रधानमंत्री ने 25 दिसंबर को उद्घाटन किया था। उसके बाद एक हफ्ते में यानी 1 जनवरी को इसे पब्लिक के लिए खोल दिया गया। यहां पूरा नजारा बदला हुआ नजर आया। जो प्रेरणा 25 को चमकता दिख रहा था, वह पूरी तरह अव्यवस्थित और गंदा दिखा। फाउंटेन में काई पड़ चुकी है। स्थल की खाली जगहों पर पॉलिथीन, दोने-पत्तल पड़े हुए हैं। पाथवे के किनारों पर लगे सभी पौधे पूरी तरह से सूख गए हैं।

भव्य प्रतिमाएं, पर बुनियादी इंतजाम नदारद

परिसर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की 65-65 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान का प्रतीक बताई जाती हैं। इन प्रतिमाओं को ख्यात मूर्तिकार राम वी सुतार और मातू राम ने गढ़ा है। साथ ही, कमल के आकार का एक संग्रहालय भी है, जो करीब 98,000 वर्ग फीट में फैला है और उन्नत डिजिटल तकनीक से देश की यात्राओं और नेताओं के योगदान को दिखाता है। कि लखनऊ की तहजीब को ध्यान नहीं रखा गया।

फास्ट न्यूज

छत से गिरकर युवक की मौत

लखनऊ। लखनऊ में छत से गिरने से एक युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक नशे की हालत में छत पर गया था, जहां पैर फिसलने से वह नीचे सड़क पर गिर पड़ा। उसके सिर में गंभीर चोट आई। अस्पताल ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना हसनगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात हुई।

वाराणसी के आईपी विजया मॉल की कैंटीन में छापेमारी

वाराणसी। वाराणसी के भेलूपुर स्थित आईपी विजया मॉल की कैंटीन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की टीम ने छापेमारी कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की। यह कार्रवाई गुरुवार को कैंटीन में घटिया समोसा परोसे जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद की गई। वीडियो सामने आने के बाद विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल निरीक्षण के आदेश दिए थे। छापेमारी के दौरान टीम ने कैंटीन में रखे आलू पेटीज का सैंपल जांच के लिए संग्रहित किया। इसके साथ ही कैंटीन के फ्रिज और रसोई क्षेत्र का निरीक्षण किया गया, जहां काफी गंदगी पाई गई। साफ-सफाई के मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर कैंटीन प्रबंधन के खिलाफ कड़ी नाराजगी जताई गई।

2 दिन बाद कड़ाके की ठंड की चेतावनी

कानपुर। कानपुर शहर में आज शनिवार को मौसम साफ है। कोहरा न होने के चलते विजिबिलिटी सामान्य रही। हालांकि, बर्फीली हवा से गलन पड़ रही है। लोग ठंड से राहत पाने के लिए अलाव के पास बैठे दिखे। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि आज दिन में धूप निकल सकती है, लेकिन उत्तर पश्चिमी बर्फीली हवा के चलते रात और शाम का पारा गिरेगी। शुक्रवार की बात करें तो न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री रहा।

'चुनाव आयोग को एसआईआर कराने का अधिकार नहीं'

लखनऊ में आप नेता संजय बोले- लिस्ट में गड़बड़

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में आप सांसद संजय सिंह ने SIR को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- यूपी में SIR के बाद पंचायत चुनाव के लिए जो डेटा जारी किया, उसके मुताबिक प्रदेश में कुल 12 करोड़ 55 लाख मतदाता हैं। जबकि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की ओर से कराए गए SIR में कुल 12 करोड़ 69 लाख मतदाता हैं। दोनों में बड़ा अंतर है। सरकार ने एक करोड़ 26 लाख मतदाताओं का कोई ब्योरा नहीं दिया। 84 से 86 लाख मतदाताओं को बताया कि वो नहीं मिले। बीएलओ ने रिपोर्ट लगाई। यह पूरी लिस्ट गड़बड़ है। संजय ने कहा-SIR के नाम पर करोड़ों वोटरों के नाम गायब हो रहे हैं। यूपी के मतदाता दूसरे प्रदेशों में रह रहे हैं, उनके वोट बने या नहीं, इसकी जांच तक नहीं हुई। चुनाव आयोग को SIR कराने का संवैधानिक अधिकार ही नहीं है। आप नेता ने पीसी में बताया कि पार्टी अपने तीसरे

चरण की 'रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा की शुरुआत 16 जनवरी से 22 जनवरी तक करेगी। यह पदयात्रा मिर्जापुर के शहीद उद्यान से काशी-वाराणसी के सारनाथ तक लगभग 90-100 किलोमीटर के रूट पर निकाली जाएगी। यात्रा से जुड़ने के लिए नंबर 7500040004 पर मिस्ड कॉल दें या मोबाइल नंबर 8588841358 पर कॉल करें। उत्तर प्रदेश में रोजगार के नाम पर एक संगठित खेल चल रहा है। कभी पेपर लीक, कभी हाईकोर्ट से स्टे, कभी सुप्रीम कोर्ट में सरकार की अपील।

धनंजय सिंह पर एफआईआर कराने वाले के घर पहुंचे संदिग्ध

लखनऊ में कुछ दिन पहले जौनपुर के ब्लॉक प्रमुख पति से हुआ था तनाव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में पूर्व सांसद धनंजय सिंह, जौनपुर के महाराजगंज की ब्लॉक प्रमुख मांडवी सिंह के पति विनय सिंह के खिलाफ अवैध कब्जे की शिकायत कर FIR दर्ज कराने वाले कौशल किशोर तिवारी के घर बीती रात कुछ संदिग्ध लोग पहुंचे। इस पर कौशल ने डायल-112 और सुशांत गोल्फ सिटी थाने में लिखित शिकायत दी। उनका कहना है कि वे लोग भारी-भारी बैग लेकर आए थे। उन बैग में जान से मारने की चीजें हो सकती हैं। पिछले दिनों हुए विवाद के बाद विपक्षी (ब्लॉक प्रमुख का पति, पूर्व सांसद) लोग मेरी हत्या करा सकते हैं। लोगों के घर के पास आने की CCTV फुटेज भी है। ऐसी स्थिति में इलाके में दहशत का माहौल है। इस मामले को संज्ञान

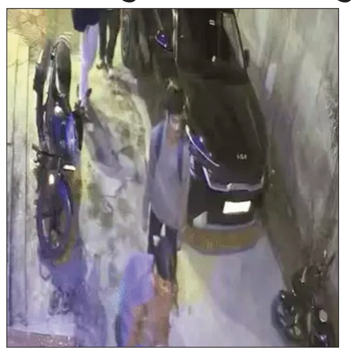

लेते हुए FIR दर्ज कर कठोर कार्रवाई करने की कृपा करें। स्वस्तिका सिटी निवासी कौशल किशोर तिवारी के अनुसार, 2 जनवरी की रात करीब 10 बजकर 22 मिनट पर एक महिला और छह पुरुष उनके घर के मुख्य गेट पर पहुंचे। सीसीटीवी फुटेज में सभी साफ दिखाई दे रहे हैं। अचानक गेट पर लोगों की मौजूदगी देख कौशल तिवारी ने भीतर से आवाज लगाई तो बाहर खड़े लोग गाली-गलौज करते हुए मौके से भाग निकले। घटना के बाद जब सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई तो संदिग्धों के चेहरे कैमरे में स्पष्ट नजर आए। इससे आशंका जताई जा रही है कि यह सिर्फ डराने की कोशिश नहीं, बल्कि किसी बड़ी साजिश का हिस्सा भी हो सकता है। फुटेज सामने आने के बाद इलाके के लोगों में भी भय का माहौल बन गया है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान की जा रही है। मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, स्वस्तिका सिटी में एक बार फिर बढ़ते तनाव को देखते हुए पुलिस सतर्कता बढ़ाने की तैयारी में है।

गोमती में जल्द शुरू होगी वाटर मेट्रो सेवा

परिवहन मंत्री के आवास पर कोच्चि मैट्रो निदेशक संग अहम बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की दिशा में सरकार ने रफ्तार बढ़ा दी है। परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह के सरकारी आवास 9, कालीदास मार्ग पर इस संबंध में एक अहम बैठक हुई। बैठक में कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड के निदेशक संजय कुमार मौजूद रहे। बैठक में लखनऊ की गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तकनीकी व्यवहारिकता पर चर्चा हुई। कोच्चि मेट्रो के निदेशक ने इस संबंध में तैयार की गई स्टडी रिपोर्ट मंत्री के सामने रखी। रिपोर्ट में बताया गया कि गोमती में जल परिवहन की संभावनाएं मौजूद हैं और सही योजना के साथ इसे सफलतापूर्वक शुरू किया जा सकता है। परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रदेश के तीन महत्वपूर्ण स्थानों की तकनीकी

व्यवहारिकता रिपोर्ट पहले ही तैयार हो चुकी है। लखनऊ में गोमती नदी के बाद मथुरा में यमुना नदी (आगरा से मथुरा तक), गोरखपुर के रामगढ़ ताल, बलिया के सुरहा ताल और गंगा नदी में भी वाटर मेट्रो और जल परिवहन को आगे बढ़ाने की योजना है। उनका कहना था कि इससे न सिर्फ लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि पर्यटन को बढ़ावा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

प्रयागराज माघ मेले का पहला स्नान, 2 फर्जी बाबा पकड़ाए

सपा कार्यकर्ता ने मुलायम की तस्वीर संग डुबकी लगाई

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ के बाद पहला माघ मेला आज से शुरू हो गया है। पहले दिन पौष पूर्णिमा पर अब तक 19 लाख से ज्यादा श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। श्रद्धालु स्नान-दान के बाद लेटे हनुमानजी के दर्शन कर रहे हैं। मेला प्राधिकरण का अनुमान है कि आज 20 से 25 लाख श्रद्धालु पहुंच सकते हैं। इधर, पुलिस ने दो फर्जी बाबा पकड़े हैं। उनके पास से फर्जी आधार कार्ड और नकली नोट मिले हैं। महाकुंभ में 'दातून बॉय' के नाम से मशहूर हुए आकाश थार से प्रयागराज पहुंचे हैं। उन्होंने मेले में दातून का कैंप लगाने का ऐलान किया है। इस बीच सपा कार्यकर्ता ने दिवंगत मुलायम सिंह यादव की तस्वीर के साथ गंगा में डुबकी लगाई। सीएम योगी ने अफसरों

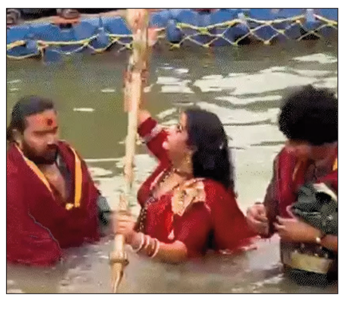

को फील्ड में उतरने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा नहीं होनी चाहिए और लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुरक्षा के लिए 10 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। मेले की निगरानी AI तकनीक से लैस CCTV कैमरों से की जा रही है। ATS-NIA के कमांडो भी तैनात हैं। योगी सरकार माघ मेले को मिनी कुंभ के रूप में आयोजित कर रही है। मेला 800 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और 15 फरवरी तक चलेगा। मेले को 7 सेक्टरों में बांटा गया है। 8 किलोमीटर लंबे स्नान घाट बनाए गए हैं। महिलाओं के लिए कपड़े बदलने के चेंजिंग रूम भी बनाए गए हैं। 2 जनवरी की रात 8 बजे से मेले में वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई है। संगम नोज पर सिर्फ प्रशासकीय और चिकित्सीय वाहनों को ही जाने की अनुमति है। यह व्यवस्था 4 जनवरी की सुबह तक लागू रहेगी। आज से कल्पवास भी शुरू हो गया है। कल्पवासी 45 दिनों तक गंगा तट पर रहकर पूजा-अर्चना करेंगे। माघ मेला होने के कारण इसमें अखाड़े शामिल नहीं होते और न ही पेशवाई निकाली जाती है।

वारदात : बुलंदशहर में आरोपियों का एनकाउंटर, पुलिस ने पैर में गोली मारी

गैंगरेप कर बच्ची की हत्या, लाश तीसरी मंजिल से फेंकी

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर में 6 साल की बच्ची के साथ दो युवकों ने गैंगरेप किया। फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। बच्ची शुक्रवार शाम अपने घर के बाहर अकेले खेल रही थी, तभी आरोपी उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ में ले गए। बारी-बारी से रेप किया। पुलिस के मुताबिक, पकड़े जाने के डर से बच्ची को जान से मारकर लाश तीन मंजिला मकान की छत से नीचे फेंककर फरार हो गए। उन्हें लाश फेंकते वक्त एक पड़ोसी ने देख लिया। उन्होंने पिता और पुलिस को सूचना दी। बच्ची को जिला अस्पताल लेकर गया, जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। परिजनों की तहरीर पर आरोपियों पर केस दर्ज किया गया। इसके

बाद पुलिस ने देर रात आरोपियों की तलाश में छापेमारी शुरू की और घटना के महज साढ़े 6 घंटे में ही पुलिस ने दोनों आरोपियों को एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पैर में गोली लगी। घटना जिला मुख्यालय से करीब 28 किलोमीटर दूर थाना क्षेत्र सिकंदराबाद के इंडस्ट्रियल एरिया की है। बच्ची का परिवार मूलरूप से फिरोजाबाद का रहने वाला है। बच्ची के पिता 10 महीने पहले सिकंदराबाद आए थे। यहां एक फैक्ट्री में काम करते हैं। 2 महीने पहले एक मकान में शिफ्ट हुए। बच्ची घर में मम्मी-पापा और छोटे भाई के साथ रहती थी। दोनों आरोपी राजू और वीरू भी एक फैक्ट्री में काम करते हैं। सभी एक ही तीन मंजिला बिल्डिंग में किराए पर आमने-सामने के कमरे में रहते हैं। पिता ने बताया- शुक्रवार को वे ऑफिस गए हुए थे। पत्नी घर में खाना बना रही थी। 6 साल की बेटी शाम में घर के बाहर अकेले खेल रही थी। पुलिस के मुताबिक, शाम करीब 7 बजे पड़ोस के कमरे में रहने वाले राजू और वीरू आए। दोनों बच्ची को उठा ले गए और जोर-जबरदस्ती करने लगे। बच्ची ने चिल्लाने की कोशिश की तो तकिए से मुंह दबा दिया।

> **"बच्ची के पिता ने कहा- मैं नौकरी की तलाश में इस शहर में आया था, पता नहीं था यहां मेरी बेटी के साथ ऐसा होगा। मेरी लाडली बेटी का जिन्होंने रेप और मर्डर किया है, उन दोनों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। अब एक 3 साल का छोटा बेटा है, उसी के सहारे पूरी जिंदगी गुजारनी है। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने कहा- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बच्ची के साथ रेप की पुष्टि हुई है। दोनों आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट से दोनों आरोपियों को जल्दी से जल्द कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की कोशिश रहेगी।**

पृष्ठ 01 का शेष...

त्योहारों व पर्वों ...

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आगामी पर्व-त्योहारों एवं माघ मेला को लेकर कहा कि कहीं पर किसी भी स्थिति में अराजकता को बढ़ावा न मिले। सभी श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में स्नान एवं पूजा कर सकें। उन्होंने प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, चित्रकूट, हापुड़ (गढ़मुक्तेश्वर), मथुरा-वृंदावन, फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर सहित माघ मेला से जुड़े सभी प्रमुख जिलों के जिलाधिकारियों को श्रद्धालुओं के आवागमन, घाटों व मंदिर परिसरों की स्वच्छता के निर्देश दिए। इसके साथ ही कहा कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, कंट्रोल रूम, भीड़ प्रबंधन एवं मेला क्षेत्र में प्रवेश व निकास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रयागराज में पौष पूर्णिमा पर अनुमानित 15 से 25 लाख श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष रूप से सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। कहा कि अस्पतालों, मेडिकल स्टाफ, एम्बुलेंस, स्वच्छ शौचालय, पेयजल एवं महिला सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। घाटों पर गोताखोरों की पर्याप्त तैनाती रहे ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और मेला क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर संदिग्ध एवं अराजक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी नाविक श्रद्धालुओं से मनमाना शुल्क न लें। साथ ही मनमानी कर श्रद्धालुओं से ज्यादा राशि वसूलने वाले होटलों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने भूमि पर कब्जा करने वाले माफिया एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कहा कि आमजन की भूमि एवं संपत्ति की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी। नागरिकों की समस्याओं को दूर करने के लिए उन्होंने जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सड़कों पर जाम की समस्या को समाप्त करने के लिए अवैध टैक्सी स्टैंड, बस स्टैंड एवं वेंडरों को हटाकर उन्हें निर्धारित स्थलों पर व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने शीतलहर को लेकर जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि रैन बसेरों में रुकने वाले लोगों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाया जाए।

अजित पवार ...

तो यह अजित पवार के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है। शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत ने कहा है कि अजित पवार के नेतृत्व वाली NCP को शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) में विलय कर लेना चाहिए। संजय राउत ने सवाल उठाया कि जब अजित पवार खुद बीजेपी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं, तो वे फिर महायुति सरकार में क्यों बने हुए हैं। अजित पवार भाजपा नेता मुरलीधर मोहोल के बयान पर बोल रहे थे। मोहोल ने कहा था- एनसीपी ऐसे उम्मीदवारों को टिकट क्यों दे रही है, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। अजित के तीखे जवाब से नाराज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने शनिवार को कहा- अजित पवार अपनी गिरेबान में झांकें, अगर मैंने बोलना शुरू किया, तो वह मुश्किल में पड़ सकते हैं।

मनरेगा हटाकर ...

वहीं कांग्रेस ने मनरेगा को फिर से लाने के लिए 10 जनवरी से 25 फरवरी तक 'मनरेगा बचाओ संग्राम' चलाने की घोषणा की है। इस आंदोलन के तहत देशभर में जिला, पंचायत, वार्ड और राज्य स्तर पर कार्यक्रम होंगे। दरअसल, संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा से VB-G RAM G बिल पास कराया था। इसके बाद 21 दिसंबर को राष्ट्रपति से बिल को मंजूरी मिलने के बाद यह कानून बन गया था। देश भर में इस स्कीम के तहत लगभग 12.17 करोड़ मजदूर एनरोल हैं, जिनमें 6.21 करोड़ महिलाएं शामिल हैं, जो वर्कफोर्स का लगभग 53.61% हैं। मनरेगा अनुसूचित जाति के लगभग 17% और अनुसूचित जनजाति के 11% मजदूरों हैं। अकेले कर्नाटक में 71.18 लाख एक्टिव मनरेगा मजदूर हैं, जिनमें से 36.75 लाख महिलाएं हैं, जो वर्कफोर्स का 51 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा हैं। इस स्कीम ने आम लोगों को इज्जत से जीने दिया और खेती के काम को रोजगार गारंटी प्रोग्राम के साथ जोड़कर गांव की इकोनॉमी को मजबूत किया। खड़गे ने कहा कि मनरेगा कोई सरकारी दया नहीं, बल्कि कानूनी गारंटी है, जिससे ग्रामीण गरीबों को गांव में काम मिला, भूख और पलायन कम हुआ और महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई। उनका आरोप है कि नए कानून में काम की गारंटी खत्म हो जाएगी, बजट सीमित होगा और पंचायतों की भूमिका कमजोर कर दी जाएगी।

मुख्य चुनाव ...

इसलिए अब उनका नाम 'वैनिश कुमार' हैं। बीजेपी पर हमला बोलते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा- बीजेपी सांसद और सांप एक जैसे हैं। अगर आप अपने घर के पीछे एक-दो सांप पाल लें, आप उसे दूध पिलाइए, केला खिलाइए, लेकिन वह एक दिन डसेगा ही। दरअसल अभिषेक बनर्जी 'आबर जितबे बांग्ला' अभियान के तहत 19 दिनों में 26 रैलियां कर रहे हैं। यह रैली 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस के आक्रामक चुनावी अभियान का हिस्सा मानी जा रही है।

आगरा के फ्रीगंज में प्लाई बोर्ड गोदाम में लगी आग

फायर ब्रिगेड ने 2 घंटे में पाया काबू

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। फ्रीगंज स्थित लकड़ी के गोदाम बंसल इंपैक्स में शनिवार सुबह आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग की चपेट में आकर गोदाम में रखा लकड़ी का सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं है हुई। खंदारी निवासी अतुल बंसल का बंसल इंपैक्स बिना फायर एनओसी के संचालित किया जा रहा था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि फ्रीगंज इलाके में ऐसे कई अन्य लकड़ी के गोदाम भी बिना फायर एनओसी के धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रशासन और अग्निशमन विभाग की ओर से आवश्यक कार्रवाई की बात कही जा रही है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676